

## विषय-सूची

### प्रखण्ड 1

#### जीवन-व्यवहार सम्बन्धी

#### पृष्ठ संख्या

● जिन्दगी भोर है, सूरज से निकलते रहिए	3-5
● अपने जीवन के लक्ष्य का निर्धारण कीजिए	5-8
● अपने कार्यक्षेत्र में अपने को सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयास करें	8-10
● स्वर्ण-सम्पदा को सार्थक कीजिए	11-13
● अतिथि सत्कार को सौभाग्य का सूचांक समझिए	14-16
● परिश्रम का पुरस्कार अधिक परिश्रम	16-18
● प्राकृतिक आपदाओं से भयभीत न हों	19-21
● महापुरुषों का अनुसरण कीजिए	21-24
● मधुर वाणी सुख-समृद्धि का कारण है	24-27
● लकीर के फकीर मत बनिए	27-29
● क्षोभ की अभिव्यक्ति सुविचारित हो	30-32
● चैन की नींद सोइए	32-34
● अच्छे श्रोता बनिए	34-38
● ठीक प्रकार से आराम करना सीखिए	38-41

### प्रखण्ड 2

#### जीवन-निर्माण सम्बन्धी

● अंधेरे में निकलिये अंधेरा कट जाएगा	44-46
● सही मार्ग का चयन कीजिए	46-49
● सफल होने के लिए चारित्रिक दृढ़ता का विकास कीजिए	49-51
● सफलता में बाधक तत्वों से बचें	51-54
● शुभ रेखाओं को देखिए और आशावान रहिए	54-56
● सफलता का रहस्य : आत्म-विश्वास	56-59

● चिन्तन और चिन्ता	59-61
● सफलता में बाधक—हीन भावना और निराशा	62-65
● स्वप्नों को साकार कीजिए	65-67
● साधना से सफलता मिलती है	67-69
● स्वर्ग का निर्माण कीजिए	70-72
● अपनी सहायता अपने आप कीजिए	72-74
● भीतर के प्रकाश को जानिए	74-77
● बुद्धि का विकास कीजिए	77-80
● आदर्श आचरण के कीर्तिमान स्थापित कीजिए	80-83
● मानव-जीवन के महत्व को पहचानिए	83-85
● आपके पास देने को बहुत कुछ है	85-88
● प्रतियोगिता का चयन अपनी क्षमता को समझकर करें	88-91
● विचार-प्रदूषण को रोकिए	91-94
● पुस्तकों से मित्रता कीजिए	94-96

### प्रखण्ड 3

#### सामाजिक

● भयमुक्त समाज का निर्माण कीजिए	99-101
● सामाजिक समस्याओं के विरुद्ध संघर्ष कीजिए	101-104
● धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा को समझिए	104-107
● सामाजिक शोषण को समाप्त कीजिए	107-109
● नारी को श्रद्धा, शक्ति और सम्मान का स्वरूप समझो	109-112
● ममतामयी माँ के महिमा मण्डित मातृत्व को पहचानिए	112-115
● आतंकवाद की चुनौती स्वीकार कीजिए	115-117
● युवावस्था को वरदान बनाइए	117-120
● पर्यावरण की रक्षा कीजिए	120-123
● मादक द्रव्यों के प्रयोग को रोकिए	123-125

### प्रखण्ड 4

#### देश-भक्ति सम्बन्धी

● भारत की आत्मा को पहचानिए	128-130
● जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी	130-133

● जनतंत्र को जीवन-पद्धति बनाइए	134–136
● राष्ट्रीयता का रहस्य—संगठित शक्ति	136–138
● राष्ट्रहित को सर्वोपरि स्थान दें	139–141
● राष्ट्रीय चरित्र का विकास कीजिए	141–144
● श्रम द्वारा भारत को एक विकसित देश बनाया जाए	144–146
● हमें देशभक्त बनना चाहिए	146–149
● हर दिल में जगाएं राष्ट्र ज्योति	149–151
● अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सहयोगी बनें	152–154
● युवा वर्ग को राजनीतिक शुचिता का प्रयास करना चाहिए	155–157
● देश को पानी खोजौ, अपना पानी राखौ	157–159

#### प्रखण्ड 5

#### शिक्षा सम्बन्धी

● शिक्षक बनाम गुरु	162–165
● हम सच्ची शिक्षा के पात्र बनें	165–168
● नई शिक्षा विचारणीय भी है और चिन्तीय भी	168–173
● अपनी शिक्षा को सार्थक बनाइए	173–175
● स्वाध्याय कीजिए	175–178

#### प्रखण्ड 6

#### सांस्कृतिक

● तमसो मा ज्योतिर्गमय	181–183
● सत्यम्, सुन्दरम् और शिवम् के मार्ग का वरण कीजिए	183–186
● वसुधैव कुटुम्बकम् का वरण करें	186–189
● सौहार्द का मार्ग अपनाइए	189–193
● स्वधर्म का पालन कीजिए	193–196
● अपने आध्यात्मिक रूप को पहचानिए और चरित्र का निर्माण कीजिए	196–198
● भारतीय संस्कृति को जानिए	199–201
● भारत की सांस्कृतिक विरासत की अभिवृद्धि करें	201–204
● हम एक रहें, हम नेक बनें	204–206

● सृजन-वृत्ति को विकसित कीजिए	206–209
● व्यक्ति के स्थान पर समष्टि को प्रतिष्ठित कीजिए	209–211
● मानवाधिकार की रक्षा कीजिए	211–214
● जीवन को कलात्मक बनाइए	214–217
● अपनी इच्छा-शक्ति को सुदृढ़ बनाइए	217–219
● फूलों की तरह खिलते रहिए	219–223
● अश्लीलता का विरोध कीजिए	223–225

### प्रखण्ड 7

#### आत्म-विकास सम्बन्धी

● आत्मदीपो भव	228–230
● चरैवैति, चरैवैति—लगातार आगे बढ़ो	230–233
● हम नवीन व्यक्ति बनें	233–235
● अपनी नियति को पहचानिए	236–238
● धर्म के मर्म को समझिए	238–241
● श्रम-सीकर की महिमा जानिए	241–244
● सच्चे अहिंसक बनिए	244–247
● पहले स्वतंत्रता का वरण करो, बाद में सुख की बात करो	247–249
● कल्पवृक्ष के वरदान पाइए	249–251
● कथनी और करनी के मध्य सामंजस्य स्थापित कीजिए	251–254
● अकेलेपन को वरदान बनाइए	254–256

---